Toppersnotes®
Unleash the topper in you

उत्तर प्रदेश

RO/ARO

समीक्षा अधिकारी / सहायक समीक्षा अधिकारी

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज

भाग 6

उत्तर प्रदेश सामान्य ज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

उत्तर प्रदेश का सामान्य

उत्तर प्रदेश कला और संस्कृति

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत** • यूपी की सांस्कृतिक विरासत	**1**
2.	**उत्तर प्रदेश की कला** • चित्रकला • धातु के बर्तन • मिट्टी के बर्तन • टेरकोटा • आभूषण • इत्र • पर्यटन	**2**
3.	**उत्तर प्रदेश के लोक नृत्य और संगीत** • लोक नृत्य • उत्तर प्रदेश का लोक संगीत	**9**
4.	**उत्तर प्रदेश की भाषा और साहित्य** • उत्तर प्रदेश की भाषा • उत्तर प्रदेश में बोली जाने वाली बोलियाँ	**14**
5.	**उत्तर प्रदेश के शिल्प** • कालीन • कढ़ाई शिल्प • हाथ छपाई • जडाऊ का कार्य • मिट्टी के बर्तन • स्टोन क्राफ्ट • टेराकोटा शिल्प • लकड़ी पर नक्काशी • कांच के बर्तन	**16**
6.	**उत्तर प्रदेश की वास्तुकला और मूर्तियां** • सारनाथ का धमेख स्तूप • भीतरगांव मंदिर कानपुर • दशावतार मंदिर, देवगढ़ • फतेहपुर सीकरी वास्तुकला • आगरा का किला • ताज महल • इलाहाबाद पब्लिक लाइब्रेरी • ऑल सेंट्स कैथेड्रल, इलाहाबाद • कानपुर मेमोरियल चर्च • चौखंडी स्तूप, कोशाम्बिक • पार्श्वनाथ दिगंबर और श्वेतांबर जैन मंदिर, वाराणसी • भारत माता मंदिर, वाराणसी • इमामबाड़ा, लखनऊ • देवा शरीफ दरगाह, लखनऊ • अटाला मस्जिद, जौनपुरी • इलाहाबाद का किला	**18**
7.	**उत्तरप्रदेश के मेले और त्यौहार**	**24**

<table>
<tr><td></td><td>

कुंभ और अर्ध कुंभ
रामलीला
राम नवमी मेला
श्रावण झूला मेला
बरसाना होली
कम्पिल मेला, कम्पिल
ताज महोत्सव
वाराणसी और इलाहाबाद में योग महोत्सव
गंगा महोत्सव, वाराणसी
कैलाश मेला
बटेश्वर मेला
देवा मेला, बाराबंकी
रामबारात
जन्माष्टमी
कार्तिक पूर्णिमा
सरधना ईसाई मेला, मेरठ
माघ मेला
रथ मेला
गौ चरण मेला
भाई दूज या यम द्वितीया मेला
नौचंदी मेला
शाकुंभरी मेला

</td><td></td></tr>
<tr><td>8.</td><td>
जीआई टैग प्रदान की गई उत्तरप्रदेश की मुख्य वस्तुएँ

बनारसी ब्रोकेड्स एंड साड़ी
इलाहाबाद सुर्ख अमरूद
लखनऊ चिकनकारी
मलिहाबादी दशहरी
चुनार बलुआ पत्थर
भदोही कालीन
कालानमक चावल
फिरोजाबाद ग्लास
कन्नौज का इत्र
कानपुर काठी
वाराणसी कांच के मोती
आगरा दरी
फर्रुखाबाद प्रिंट
खुर्जा मृद्भांड
वाराणसी सॉफ्ट स्टोन जाली वर्क
लखनऊ जरदोजी
मुरादाबाद मेटल क्राफ्ट
सहारनपुर वुड क्राफ्ट
मेरठ की कैंची
बनारस गुलाबी मीनाकारी शिल्प
मिर्जापुर हस्तनिर्मित दरी
निजामाबाद ब्लैक पॉटरी
वाराणसी लकड़ी के लाह के बर्तन और खिलौने
गाजीपुर वॉल हैंगिंग
बनारस मेटल रिपोज क्राफ्ट
गोरखपुर टेराकोटा

</td><td>28</td></tr>
</table>

उत्तर प्रदेश प्राचीन मध्यकालीन इतिहास

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**प्रागैतिहासिक काल** • उत्तर प्रदेश का प्रागैतिहासिक इतिहास • हड़प्पा सभ्यता • वैदिक युग (1500 ईसा पूर्व- 500 ईसा पूर्व) • महाजनपदों की आयु (छठी शताब्दी ई.पू.) • बौद्ध धर्म और जैन धर्म • उत्तर-वैदिक काल • उत्तर गुप्तकाल	35
2.	**प्रारंभिक मध्यकालीन युग** • कन्नौजो के लिए त्रिपक्षीय संघर्ष • गुर्जर प्रतिहार • उत्तर प्रदेश का मध्यकालीन इतिहास	47

उत्तर प्रदेश का आधुनिक इतिहास

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**अवध पर ब्रिटिश विजय** • अवध का विलय (1856)	50
2.	**1857 का विद्रोह** • उत्तर प्रदेश में 1857 के विद्रोह के केंद्र	52
3.	**उत्तर प्रदेश में किसान आंदोलन** • किसान सभा आंदोलन • एका आंदोलन • नाई-धोबी बंद आंदोलन • अखिल भारतीय किसान सभा (AIKS)	55
4.	**भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस** • लखनऊ अधिवेशन, 1916 • यूपी में क्रांतिकारी आंदोलन	58
5.	**भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन** • असहयोग आंदोलन (NCM) • सविनय अवज्ञा आंदोलन • भारत छोड़ो आंदोलन (क्यूआईएम) • उत्तर प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी	61

उत्तर प्रदेश भूगोल

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**उत्तर प्रदेश की भौगोलिक विशेषता** • उत्तर प्रदेश का स्थान और विस्तार • भूवैज्ञानिक संरचना • उत्तर प्रदेश के भौतिक प्रभाग	68

2.	**उत्तर प्रदेश की नदियाँ और जल निकासी प्रणाली** • हिमालय पर्वत से निकलने वाली नदियाँ • तराई या मैदानी क्षेत्र से निकलने वाली नदियाँ • विंध्य पर्वतमाला या पठारी क्षेत्र से निकलने वाली नदियाँ • अन्य महत्वपूर्ण नदियाँ • उत्तर प्रदेश की झीलें	**74**
3.	**उत्तर प्रदेश की जलवायु** • जलवायु का वर्गीकरण • वर्षा	**82**
4.	**मिट्टी** • मिट्टी का वर्गीकरण	**84**
5.	**उत्तर प्रदेश के खनिज संसाधन** • धात्विक खनिज • अधात्विक खनिज • उत्तर प्रदेश की खनन नीति, 2017	**88**
6.	**उत्तर प्रदेश में खतरे की रूपरेखा** • बाढ़ • सूखा • भूकंप	**92**

7.	**प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन**
	• वनस्पति
	• भारत वन राज्य रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2021
	    ○ प्राकृतिक वनस्पति
	    ○ पशुवर्ग
	    ○ उत्तर प्रदेश वन नीति, 2017
	• प्रमुख वन्यजीव और पक्षी अभयारण्य
		96

8.	**उत्तर प्रदेश में प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दे** • वायु प्रदूषण • जल प्रदूषण • मृदा प्रदूषण • ध्वनि प्रदूषण	**102**
9.	**उत्तर प्रदेश जनगणना 2011**	**110**

उत्तर प्रदेश की राजनीति

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**उत्तर प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था** • संभागीय प्रशासन • 18 मंडल और 75 जिले • जिला प्रशासन	**115**
2.	**उत्तर प्रदेश की पंचायती राज व्यवस्था** • परिचय • पंचायती राज विभाग की नीति • पंचायतों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाएं	**121**
3.	**उत्तर प्रदेश की शिक्षा, शैक्षिक आधारभूत संरचना और शैक्षिक नीति** • परिचय • शैक्षिक नीति	**124**

4.	**उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य, स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वास्थ्य नीति** • परिचय • स्वास्थ्य अवसंरचना • स्वास्थ्य नीति	**126**
5.	**उत्तर प्रदेश के राज्यपाल** • अब तक के राज्यपालों की सूची • राज्यपाल के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य	**128**
6.	**उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री** • उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों (CM) की सूची	**130**
7.	**चुनावी आंकड़े** • उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव 2022 के प्रमुख आँकड़े	**132**
8.	**उत्तर प्रदेश से अब तक के प्रधानमन्त्री** • यूपी से प्रधानमंत्री	**133**
9.	**उत्तर प्रदेश जनसंख्या नीति 2021-2030** • नीति के उद्देश्य • उत्तर प्रदेश की जनसंख्या नीति के प्रावधान	**135**

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की विशेषताएं** • यूपी: एक नजर में • यूपी की अर्थव्यवस्था की मूल बातें • आर्थिक सुधारों के बाद के विकास • यूपी की अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतियां • उत्तर प्रदेश में अंतर-क्षेत्रीय विषमता, असमानता और गरीबी	**138**
2.	**उत्तर प्रदेश के बजट की मुख्य विशेषताएं** • बजट हाइलाइट्स • मुख्य विशेषताएं • यूपी की अर्थव्यवस्था • 2021-22 के लिए बजट अनुमान • 2021-22 में व्यय • 2021-22 में प्राप्तियाँ • जीएसटी मुआवजा • 2021-22 के लिए घाटा, ऋण और FRBM लक्ष्य • प्रमुख क्षेत्रों पर राज्यों के खर्च की तुलना • 2021-26 के लिए 15वें वित्त आयोग की सिफारिशें	**142**
3.	**आधारभूत संरचना** • यातायात • विद्युत उत्पादन • दूरसंचार • शहरी बुनियादी ढांचा • यूपी में सामाजिक बुनियादी ढाँचा	**150**
4.	**उत्तर प्रदेश में उद्योग** • उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित उद्योग • उद्योग का विकास	**162**

	• उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक केन्द्रों/जिलों की सूची • खनिज और भारी उद्योग • यूपी की प्रमुख औद्योगिक नीतियां • उत्तर प्रदेश ODOP योजना के अंतर्गत जिलेवार उत्पादों की सूची	
5.	**उत्तर प्रदेश में रोजगार** • यूपी में बेरोजगारी की स्थिति • शिक्षित बेरोजगारी • यूपी कौशल विकास • मिशन	**169**
6.	**उत्तर प्रदेश में कृषि** • उत्तर प्रदेश के कृषि जलवायु क्षेत्र • विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्र से संबंधित मिट्टी • उत्तर प्रदेश में फसल उत्पादन • उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण बागवानी फसलों की सूची • राज्य कृषि नीति 2013 • सिंचाई का स्रोत • केन बेतवा नदी लिंक • उत्तर प्रदेश में पशुधन	**172**

प्रिय विद्यार्थी, टॉपर्सनोट्स चुनने के लिए धन्यवाद।

नोट्स में दिए गए QR कोड्स को स्कैन करने लिए टॉपर्स नोट्स ऐप डाउनलोड करे ।

ऐप डाउनलोड करने के लिए दिशा निर्देश देखे :-

ऐप इनस्टॉल करने के लिए आप अपने मोबाइल फ़ोन के कैमरा से या गूगल लेंस से QR स्कैन करें ।

टॉपर्सनोट्स एग्जाम प्रिपरेशन ऐप

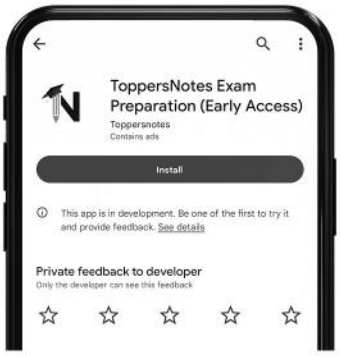

टॉपर्सनोट्स ऐप डाउनलोड करें गूगल प्ले स्टोर से ।

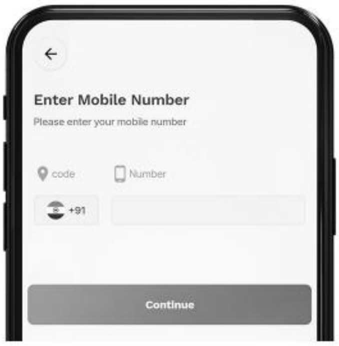

लॉग इन करने के लिए अपना **मोबाइल नंबर** दर्ज करें ।

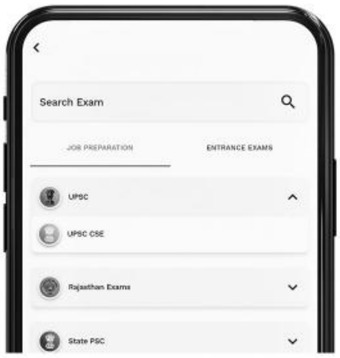

अपनी **परीक्षा श्रेणी** चुनें ।

सर्च बटन पर क्लिक करें ।

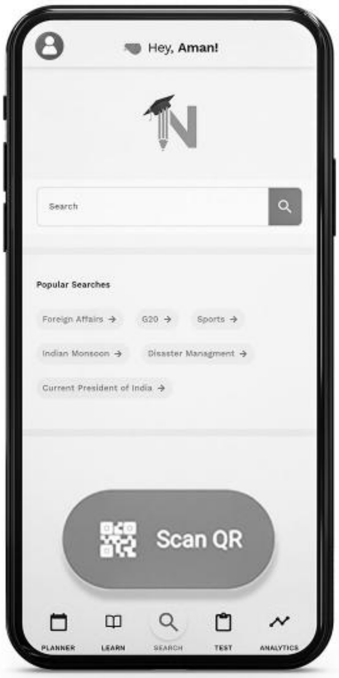

SCAN QR पर क्लिक करें ।

किताब के **QR कोड को स्कैन** करें ।

- सोल्युशन वीडियो
- डाउट वीडियो
- कॉन्सेप्ट वीडियो

- अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री

- विषयवार अभ्यास
- कमजोर टॉपिक विश्लेषण

- रैंक प्रेडिक्टर
- टेस्ट प्रैक्टिस

किसी भी तकनीकी सहायता के लिए **hello@toppersnotes.com** पर मेल करें या **766 56 41 122** पर whatsapp करें ।

1 CHAPTER प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत

यूपी की सांस्कृतिक विरासत

- यूपी - **भारतीय संस्कृति** के सबसे **प्राचीन** पालने में से एक।
- **बांदा** (बुंदेलखंड), **मिर्जापुर** और **मेरठ** में मिली प्राचीन वस्तुएं इसके इतिहास को **प्रारंभिक पाषाण युग** और हड़प्पा युग से जोड़ती हैं।
- आदिम पुरुषों द्वारा **चाक चित्र** या गहरे लाल रंग के चित्र मिर्जापुर जिले के **विंध्य पर्वतमाला** में बड़े पैमाने पर पाए जाते हैं।
- **अतरंगी-खेड़ा**, **कौशांबी**, **राजघाट** और सोंख में मिले बर्तन।
- **ताँबे** की **वस्तुएँ** - कानपुर, उन्नाव, मिर्जापुर, मथुरा।
- **जनसंख्या** - **इंडो-द्रविड़** जातीय समूह।
  - हिमालयी क्षेत्र में केवल एक छोटी आबादी **एशियाई मूल** को प्रदर्शित करती है।
- **हिंदू**: 80%, **मुस्लिम**: >15% और अन्य धार्मिक समुदायों में **सिख**, **ईसाई**, **जैन** और **बौद्ध** शामिल हैं।
- **पारंपरिक हस्तशिल्प** - कपड़ा, **धातु** के बर्तन, **लकड़ी** का काम, **चीनी मिट्टी** की चीज़ें, **पत्थर** का काम, गुड़िया, **चमड़े** के उत्पाद, **हाथीदांत** लेख, **सींग**, **हड्डी**, **बेंत** और **बांस** से बने पेपर-माचे लेख, **इत्र** और **संगीत** वाद्ययंत्र।
- **कुटीर शिल्प** - वाराणसी, आजमगढ़, मौनाथ भंजन, गाजीपुर, मेरठ, मुरादाबाद और आगरा।
- **कालीन** - भदोही और मिर्जापुर।
- **रेशम** और **ब्रोकेड** - वाराणसी
- **सजावटी पीतल** के बर्तन - मुरादाबाद
- **चिकन** (एक प्रकार की कढ़ाई) का काम - लखनऊ
- **आबनूस** काम - नगीना
- **कांच** के बने पदार्थ - फिरोजाबाद
- **नक्काशीदार लकड़ी** का काम - सहारनपुर।
- **पारंपरिक मिट्टी** के **बर्तनों** के केंद्र - खुर्जा, चुनार, लखनऊ, रामपुर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और आजमगढ़।
- उत्तम **पीतल** की उपयोगी वस्तु - मुरादाबाद।
- **चांदी, सोने** और **डायमंड**-कट चांदी के आभूषणों पर **मीनाकारी** - **वाराणसी** और **लखनऊ।**

Unleash the topper in you

2 CHAPTER उत्तर प्रदेश की कला

चित्र

- प्रागैतिहासिक काल में **चित्रकला** के अवशेष मिलते है।
    - उदा. **सोनभद्र** और **चित्रकूट** के **गुफा चित्र** शिकार, युद्ध, त्योहारों, नृत्यों, रोमांटिक जीवन और जानवरों के दृश्यों को दर्शाते हैं।
- उत्तर प्रदेश में **चित्रकला** की संस्कृति **मुगल** काल उर्फ **"पेंटिंग का स्वर्णिम काल"** के दौरान सबसे अधिक विकसित हुई।
- **जहाँगीर** के शासनकाल के दौरान अपने **चरम** पर पहुंच गई।
- जब **ओरछा** के राजा ने **मथुरा** में **केशव देव** के मंदिर का पुनर्निर्माण कराया तो **चित्रकला** की कला **बुंदेलखंड** के क्षेत्र में **पूर्णता** के प्रतीक तक पहुंच गई।
    - **मथुरा**, **गोकुल**, **वृंदावन** और **गोवर्धन** के चित्र भगवान **कृष्ण** के **जीवन** के दृश्यों को दर्शाते हैं।
- अन्य प्रमुख **स्कूल**- **गढ़वाल स्कूल** जिसे राजा का संरक्षण प्राप्त था।

रॉक पेंटिंग

- **चित्रित शैलाश्रय** - उत्तरी विंध्य में **चंदौली**, **सोनभद्र**, **मिर्जापुर**, इलाहाबाद, चित्रकूट और **बांदा** और **अरावली पर्वतमाला** में फतेहपुर सीकरी और आगरा के आसपास।

प्रमुख रॉक पेंटिंग

रॉक पेंटिंग	विवरण
मिर्जापुर और सोनभद्र	• विंध्य और कैमूर पर्वतमाला - 250 रॉक कला स्थल। • मध्य पाषाण काल से लेकर ताम्रपाषाण काल तक। • प्रमुख स्थल - पंचमुखी रॉक शेल्टर (रॉबर्ट्सगंज से 8 किमी), कौवा खो रॉक शेल्टर (चर्क के पास), लखनिया रॉक शेल्टर (रॉबर्ट्सगंज से 22 किमी) और लखमा गुफाएं (बागमा के पास)।
कौआ खोह	• यूपी में सबसे बड़ा रॉक शेल्टर साइट • यहां रॉक पेंटिंग की सबसे बड़ी प्रदर्शनों की सूची है
विन्धम जलप्रपात	• विन्धम जलप्रपात के स्रोत के पास मिला।
लखनिया दरी	• स्थानीय रूप से गरई नदी के रूप में जानी जाने वाली पर्वत-आधारित धारा की जल निकासी रेखा के साथ स्थित है। • एक चित्रित पैनल को प्रागैतिहासिक से ऐतिहासिक काल तक लगातार चित्रित किए जाने का अनुमान है और इसमें पचास से अधिक चित्रित चिह्न हैं।
चुना दरी गुफा	• एक बहुत बड़ी और गहरी गुफा जिसमें लखनिया दरी से भी ज्यादा पेंटिंग हैं। • ये गरई नदी के किनारे स्थित हैं • ज्यादातर लाल गेरू और कभी-कभी काले रंग में चित्रित चिह्नों और विषयगत पैनलों से भरा हुआ।

	• उन चित्रों को छोड़कर जो गुफा की छत पर होते हैं और इसलिए विरूपण से बच गए हैं, अधिकांश लाल चित्र आधुनिक आधुनिक भित्तिचित्रों जिसने कला को लगभग मिटा दिया है, की कई परतों के नीचे से झांकते हैं। • साथ ही चट्टानों पर कैल्शियम की परत का जमना जो कभी-कभी पुराने चित्रों को मिटा देता है।
मोरहना पहाड़	• एक टेबललैंड पर एक चट्टानी पठार के शीर्ष पर बने होते है। • रॉक आर्ट इमेजरी बहुत बड़ी है, वास्तव में कुछ सोलह आश्रयों में फैले सैकड़ों चित्रण हैं।
अन्य स्थल	• लखनिया, पंचमुखी, लखमा के गुफा आश्रय

धातु के बर्तन

- भारत में सबसे बड़ा **पीतल** और **तांबा** बनाने वाला क्षेत्र।
  - **तांबे** के बर्तन - इटावा, वाराणसी और सीतापुर।
  - **अनुष्ठान** के बर्तन - तांबे की तरह ताम्र पत्र, पंच पत्र, सिंहासन, और कंचनथाल (फूल और मिठाई चढ़ाने के लिए प्लेटें)।
- वाराणसी - **आइकन-कास्टिंग।**
- मुरादाबाद - **धातु हस्तशिल्प।**
  - उत्कीर्णन - **अलंकृत धातु** के बर्तन - मुरादाबाद।

मिट्टी के बर्तनों

- **खुर्जा** अपने **सस्ते चीनी मिट्टी** के बर्तनों के लिए भी जाना जाता है।
  - उभरी हुई **नक्काशी** की गई है और **गहरे रंगों** का उपयोग नही किया गया है।
  - **सफेद पृष्ठभूमि** पर **नारंगी**, **हल्का लाल** और **भूरा** रंग।
  - आसमानी नीले रंग में **पुष्प** के **डिजाइन** बनाये हुए हैं।
  - **घड़े** के **आकार** के **बर्तन** के लिए प्रसिद्ध है।
- **चुनार** - **कुम्हार** एक भूरी स्लिप के साथ **बर्तनों** को चमकाते हैं जो **असंख्य अन्य रंगों** के साथ इस्तेमाल किये जाते हैं।
- **मेरठ** और **हापुड़** - उत्कृष्ट पानी के **कंटेनर।**
  - **आकर्षक डिजाइनों** और फूलों के पैटर्न से सजी।
  - अजीब आकार की **टोंटी।**
- **चिनहट** - चमकते हुए **मिट्टी** के **बर्तन।**
  - नीला और भूरा रंग - कारीगरों द्वारा उपयोग किया जाता है।
  - सफेद या क्रीम सतह।
  - आम तौर पर, ज्यामितीय डिजाइन बनाये जाते है।
- **निजामाबाद** - **काली मिट्टी** के बर्तन।
  - **चावल** की **भूसी** के साथ एक संलग्न **भट्टी** में **बर्तनों** को आग में पकाया जाता है।
  - उत्पन्न **धुआँ काला रंग** प्रदान करता है।
  - **जिंक** और **मरकरी** से बने सिल्वर पेंट से सूखी सतह पर उकेरे गए डिजाइन।
  - **ग्लॉसी लुक** - जब **बर्तन** गर्म होते है तो उन्हें **लाख** से **लेपित** किया जाता है।

टेरकोटा

- उत्तर प्रदेश के **मिट्टी** के उत्पादों में **गोरखपुर** के **कुम्हारों** के बर्तन प्रसिद्ध है।

- **हाथ** से **अलंकृत** जानवरों की आकृतियाँ जैसे घोड़े और हाथी आदि
- **देवी-देवताओं** की मूर्तियों को दीपक, माता और बच्चे के रूपांकनों, और अन्य **अनुष्ठान वस्तुओं** को यहाँ हाथ से तैयार किया गया है।

- **उत्तर** प्रदेश में **कुम्हार मिट्टी** से उपयोगी और **सजावटी** दोनों तरह के बर्तन बनाते हैं।
  - **चाक** पर मिट्टी को आकृति केवल **पुरुषों** द्वारा दी जाती है क्योंकि इस चरण में **महिलाओं** का शामिल होना **अशुभ** माना जाता है जबकि **महिलाएं** इस शिल्प के **शेष चरणों** को पूरा करती हैं।
  - **हिंदू कुम्हार**- प्रजापति
  - **मुस्लिम कुम्हार** - कासगर।
    - हिंदू दो बार बर्तन का उपयोग नहीं करते हैं, सजावटी तत्व को हटा दिया जाता है जबकि कासगर द्वारा निर्मित मिट्टी के बर्तनों में विपरीत होता है जहां परिष्करण और अलंकरण का विशेष रूप से ध्यान रखा जाता है।

आभूषण

- **लखनऊ** अपने **गहनों** और **मीनाकारी** के काम के लिए जाना जाता है।
- **शिकार** के **दृश्यों**, सांप और गुलाब के पैटर्न के साथ **उत्तम चांदी** के **बर्तन** बहुत लोकप्रिय हैं।
- **लखनऊ** के **बिदरी** और **जरबुलंद** चांदी के काम में **हुक्का फरशी** के उत्कृष्ट टुकड़ों, **गहनों** के बक्से, ट्रे, कटोरे, कफ़लिंक, **सिगरेट होल्डर** आदि पर **रूपांकन** मिलता है।
- **फूलों**, **पत्तियों**, लताओं, पेड़ों, पक्षियों और जानवरों के **रूपांकनों** के साथ प्रसिद्ध **हाथीदांत** और **हड्डी** की **नक्काशी** लखनऊ में व्यापक रूप से की जाती है।
- मास्टर शिल्पकार **चाकू, लैंपशेड**, शर्टपिन और छोटे खिलौने जैसी **जटिल वस्तुएं** बनाते हैं।

इत्र

- **19वीं शताब्दी** से लखनऊ में **"अत्तर"** या परफ्यूम का भी **उत्पादन** किया जाता है।
- **लखनऊ** के परफ्यूम ने विभिन्न सुगंधित **जड़ी-बूटियों**, प्रजातियों, **चंदन** के तेल, **कस्तूरी**, **फूलों** और **पत्तियों** के सार से बने नाजुक और **स्थायी सुगंध** के साथ प्रयोग किया और **अत्तर** बनाने में सफल रहे।
- लखनऊ की प्रसिद्ध सुगंध हैं **खस**, **केवड़ा**, **चमेली**, **जाफरोन** और **अगर।**

पर्यटन

- राष्ट्रीय और **अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक** -> **71 मिलियन घरेलू पर्यटक** (2003 में) और लगभग **25%** अखिल भारतीय विदेशी पर्यटक।
- **पर्यटन विभाग, यूपी सरकार, 2011 द्वारा सूचीबद्ध सर्किट**

सर्किट	**कवर किए गए जिले और क्षेत्र**
आगरा ब्रज सर्किट	आगरा, मथुरा, वृंदावन, फतेहपुर सीकरी, सूर सरोवर, चंबल
बौद्ध सर्किट	कपिलवस्तु, सारनाथ, वाराणसी, श्रावस्ती, संकिसा, कौशाम्बी, कुशीनगर, लुंबिनी, बोधगया।
बुंदेलखंड सर्किट	झांसी, महोबा, काकरमठ, कालिंजर, देवगढ़, समथर, दतिया, खजुराहो, चंदेरी, बरूसागर, ओरछा।
अवध-अयोध्या सर्किट	लखनऊ, कुकरैल, नवाबगंज पक्षी विहार, अयोध्या, नैमिषारण्य, देवाशरीफ, बिठूर।

वाराणसी और विंध्याचल सर्किट	वाराणसी, विंध्याचल, पामनगर, चुनार, इलाहाबाद, कैमूर वन्य जीवन अभयारण्य, चंद्रप्रभा वन्य जीवन अभयारण्य
महाभारत सर्किट	हस्तिनापुर, बागपत, बिजनौर
राम वन-गमन यात्रा सर्किट	अयोध्या, भरतकुंड, बेल्हा देवी-प्रतापगढ़, श्रृंगवेरपुर, इलाहाबाद, चित्रकूट
प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित सर्किट, 1857	झांसी, मेरठ, लखनऊ, रायबरेली, उन्नाव, कानपुर, बिठूर, सीतापुर, बदायूं, बरेली, हाथरस, शाहजहांपुर, मैनपुरी, फिरोजाबाद, गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़, बलिया, वाराणसी, इलाहाबाद
जैन सर्किट	श्रावस्ती, कौशांबी, इलाहाबाद, अयोध्या, फैजाबाद, रोनाही, कंपिल, हस्तिनापुर, सौरीपुर, आगरा, बनारस, कुशीनगर।
सिख सर्किट	गुरुद्वारा पक्की संगत (इलाहाबाद) -गुरुद्वारा अहरोड़ा, गुरुद्वारा छोटा और गुरुद्वारा भुइली (मिर्जापुर) - गुरुद्वारा निचिबाग, गुरुद्वारा गुरुबाग (वाराणसी) - गुरु तेग बहादुर जी की तपस्थली, चाचकपुर, गुरुद्वारा पासमंडल (जौनपुर) - गुरुद्वारा अहियागंज (लखनऊ) - गुरुद्वारा सिंह सभा (मथुरा) -गुरुद्वारा हाथीघाट, गुरुद्वारा गुरु का ताल (आगरा)।
सूफी सर्किट	फतेहपुर सीकरी, पंपपुर, बदायूं, बरेली, लखनऊ, काकोरी, देवाशरीफ (बाराबंकी), बहराइच, किचोचा शरीफ, कडे शाह - कड़ा (कौशाम्बी), इलाहाबाद, कांतित शरीफ (मिर्जापुर)।
ईसाई सर्किट	मेरठ-सरधना, आगरा, कानपुर, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर।
हस्तशिल्प सर्किट	लखनऊ, आगरा, अलीगढ़, फिरोजाबाद, रामपुर, कानपुर, कन्नौज, वृंदावन, मुरादाबाद, खुर्जा, वाराणसी, भदोही, मिर्जापुर, चुनार, जौनपुर, गोरखपुर।

- **आगरा** - 3 विश्व धरोहर स्थल, ताजमहल, आगरा का किला और नजदीकी फतेहपुर सीकरी।
  - **ताज महल**
    - मुगल बादशाह शाहजहाँ द्वारा अपनी प्यारी पत्नी मुमताज महल की याद में बनवाया गया एक मकबरा।
    - उर्फ "**भारत में मुस्लिम कला का गहना और दुनिया की विरासत की सार्वभौमिक रूप से प्रशंसित उत्कृष्ट कृतियों में से एक**।"
  - **आगरा का किला**
    - ताजमहल से 2.5 किमी उत्तर पश्चिम में।
    - एक चारदीवारी वाले **महलनुमा** शहर के रूप में वर्णित है।
  - **फतेहपुर सीकरी**
    - आगरा के पास विश्व प्रसिद्ध **16वीं** सदी की **राजधानी**,
    - मुगल बादशाह **अकबर** द्वारा निर्मित।
- **वाराणसी** - दुनिया के सबसे **पुराने शहरों** में से एक।
  - अपने **घाटों** (नदी के किनारे स्नान के कदम) के लिए प्रसिद्ध, **पवित्र गंगा नदी** में स्नान करने के लिए साल भर तीर्थयात्रियों से भरा रहता है।

- **मथुरा**- **होली** के **त्योहार** का रंगीन उत्सव।
- **प्रयागराज**- माघ मेला उत्सव - **गंगा** के **तट** पर आयोजित किया जाता है।
  - प्रत्येक **12वें** वर्ष बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाता है
  - उर्फ **कुंभ** मेला**,** जहां 10 मिलियन से अधिक **हिंदू तीर्थयात्री** एकत्रित होते हैं-दुनिया में मनुष्यों की सबसे बड़ी सभाओं में से एक के रूप में घोषित।
- **गाजीपुर** - **गंगा घाट**, ब्रिटिश शासक लॉर्ड **कार्नवालिस** का **मकबरा**, भारत के **पुरातत्व सर्वेक्षण** द्वारा अनुरक्षित।
- **लखनऊ** - बड़ा **इमामबाड़ा** और छोटा **इमामबाड़ा।**
  - अवध-अंग्रेजों के आवास का क्षतिग्रस्त परिसर, जिसका जीर्णोधार किया जा रहा है।
- **बरेली / "नाथ नगरी"** - **"द झुमका सिटी"** और "**बैम्बू सिटी**"।
  - बरेली में 5 नाथ मंदिर
  - लखनऊ और एनसीआर दिल्ली के बीच एक मध्यस्थ शहर।

उत्तर प्रदेश की जनजाति

जनजाति	**विवरण**
अगरिया	• **क्षेत्र**- मिर्जापुर • **भाषा-** हिंदी, अगरिया भाषा और छत्तीसगढ़ी
अहेरिया	• उर्फ अहेरी, अहेरिया, अहिरिया, बहेलिया, बहेलिया, हर्बी, बेटा, हेरी, हर्षी, करवाल, हेसी, करबल, थोरी, नाइक या तुरी आदि। • मुख्य रूप से हिंदी बोलते है क्योंकि वे **हिंदू धर्म** के अनुयायी हैं।
बैगा	• जंगल में **'स्थानांतरण खेती'** / दहिया की खेती का अभ्यास करना। • **टैटू बनवाना** उनकी लाइफस्टाइल का अहम हिस्सा है। • अर्ध-खानाबदोश जीवन व्यतीत करते है।
बेलदार	• क्षेत्र - लखीपुर, बाराबंकी, गोंडा, खारी, गोरखपुर, गिंडा, सीतापुर, फैजाबाद आदि। • एक व्यावसायिक जाति और उनका **पारंपरिक व्यवसाय बेलदारी** का है।
भोक्सा / बुक्सा लोग	• बुक्सा भाषा बोलते है जिसकी तुलना **राणा थारू** से की जा सकती है। • **शाकुंभरी देवी** नाम की आदिवासी देवी की पूजा करते है। • जमीन की जुताई में शामिल और माउंटेन गाइड के रूप में कई काम • इनकी अलग बस्तियां होती हैं और वे आदिवासी समूह की किसी भी जाति के साथ साझा नहीं करते हैं।
बिंद जनजाति	• अन्य पिछड़ी जाति से सम्बंधित हैं। • भारत के मध्य भाग में स्थित विंध्य पहाड़ियों से उत्पन्न। • मुख्य व्यवसाय - **ईख** की **चटाई बनाना** • भाषाएँ - अवधी और भोजपुरी • **हिंदू धर्म** का अभ्यास करते है और उसके रीति-रिवाजों का पालन करते है।
चेरो	• दक्षिणपूर्वी उत्तर प्रदेश - कोल और भर, मुजफ्फरपुर से इलाहाबाद • मुख्य रूप से **कृषि** और **पशुपालन** में शामिल है।

	• साथ ही बाजार में बिकने के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध **महुआ फूल** को भी इकट्ठा करते है। • अंतर्विवाही नहीं होते।
घसिया	• एक हिंदू जाति। • **अनुसूचित जाति** का दर्जा रखते हैं और **उत्तर प्रदेश** में पाए जाते हैं। • क्षेत्र - सोनभद्र और मिर्जापुर • कबीले से **बहिर्विवाह** का सख्ती से पालन करते है। • भाषा - **बुंदेलखंडी बोली** में हिंदी।
कंजर	• उर्फ मारवाड़ी कुमार, बंछड़ा और नाथ। • मुख्य व्यवसाय - **शिकार।** • **हिंदू धर्म** और सिख धर्म का पालन करते है और ये सभी समुदाय देवताकी पूजा करते हैं।
केवट	• पारंपरिक रूप से उत्तर भारत के **नाविक।** • चारघाट पंचायत द्वारा नियंत्रित जो अवध के क्षेत्र को कवर करती है। • इलाहाबाद क्षेत्र **बाराघाट पंचायत** के अंतर्गत आता है।
खैराह	• हिंदू जाति जिसे **अनुसूचित जाति** का दर्जा प्राप्त है। • जिले - इलाहाबाद और मिर्जापुर • **हिंदी** भाषा में संवाद करते है। • **कृषि**, **मछली** पकड़ने और **पशुपालन** करते है।
खरोट	• एक अंतर्विवाही उपसमूह जिसे **अनुसूचित जाति** की उपाधि मिली है। • मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के पूर्वी भागों में पाया जाता है। • इनमें से ज्यादातर **खेतिहर मजदूर** हैं जिनके पास अपनी जमीन नहीं है।
कोल	• इलाहाबाद, वाराणसी, बांदा और मिर्जापुर जिले • उत्तर प्रदेश की **सबसे बड़ी** जनजाति। • **हिंदू धर्म** के अनुयायी और बघेलखंडी बोली में बोलते हैं। • कोई जमीन नहीं है और आय के लिए जंगल पर निर्भर है।
कोरवा	• आर्थिक और सामाजिक रूप से **गरीब समुदाय।** • अलग-थलग जनजातियाँ और उनमें से अधिकांश **शिकारी संग्रहकर्ता** हैं। • स्थायी कृषि करते है और हिंदू समुदाय का हिस्सा हैं। • अपनी मातृभाषा कोरवा में संवाद करते है जिसे वैकल्पिक रूप से **सिंगली** और **एर्रंगा** के नाम से भी जाना जाता है।
कोतवार	• वे **गाँव** के **पहरेदार** थे और कहा जाता है कि इस आधार उन्हें यह नाम मिला है। • अब हिंदू जाति का एक हिस्सा और मिर्जापुर और सोनभद्र जिलों में पाए जाते हैं। • वनाच्छादित और उतर चढाव वाले इलाकों में निवास करते है और इन्हें **अनुसूचित जाति** का दर्जा प्राप्त है। • मध्यम और छोटे आकार के किसान जो वर्तमान समय में कृषि करते हैं।

पणिका/पंक	• **पंखो** केनिर्माण में शामिल और इसलिए उनके नाम की उत्पत्ति हुई। • **मिर्जापुर** और **सोनभद्र** के क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
परहिया	• **हिंदू धर्म** के अनुयायी • **स्लैश एंड बर्न कृषि** तकनीक से खेती करते है। • हिंदी की एक बोली बोलते है।
पटारी	• सोनभद्र में • मूल रूप से **गोंड आदिवासी** जिन्होंने गोंड राजाओं को सलाह दी और अनुष्ठानों में भी विशेषज्ञता हासिल की। • **हिन्दी** में संवाद करते है। • **कृषि**, **बटाईदारी** और **पशुपालन** भी करते है।
पथारकट/संगतरशी	• शाब्दिक अर्थ - **पत्थर काटने वाला** • लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई और उन्नाव में प्रमुख रूप से स्थित है। • आपस में **घियारई** में संवाद करते है और बाहरी लोगों से **हिंदी** में बात करते है।
सहरिया	• यह अनुसूचित जाति **बुंदेलखंड क्षेत्र** में पायी जाती है। • उर्फ **बनारावत**, **रावत**, **सोरेन** और बनारखा। • पारंपरिक व्यवसाय - **शहद इकट्ठा** करना, **लकड़ी** काटना, **खनन** करना, **टोकरियाँ** बनाना, पत्थर तोड़ना आदि।
थारु	• शिवालिक या निचले हिमालय के बीच **तराई** के अंतर्गत आता है। • उनमें से अधिकांश **वनवासी** हैं और कुछ कृषि करते हैं। • **भगवान शिव** की महादेव के रूप में पूजा करते है, और अपने सर्वोच्च देवता को **"नारायण"** कहते है।
महगीर	• बिजनौर जिले के नजीबाबाद क्षेत्र में • इसके अलावा सहारनपुर, जलालाबाद, मनेरा, मंदवार और धरनगर में भी।

3 CHAPTER उत्तर प्रदेश के लोक नृत्य और संगीत

लोक नृत्य

चारकुला नृत्य

- राज्य के **ब्रज क्षेत्र** में उत्पत्ति - **कृष्ण** के **जीवन** और समय के आसपास के मिथकों से जुड़ी।
- सिर पर दीये लेकर चलने वाली **महिलाओं** द्वारा किया जाता है।
    - विशेष रूप से इस उद्देश्य के लिए बनाई गई संरचनाओं पर पिरामिड के रूप में व्यवस्थित।
    - **51** से **108** तक अनेक **दीपक** - **चारकुला।**
- रंगीन स्कर्ट पहने **महिलाओं** द्वारा प्रदर्शन किया जाता है जो उनके टखनों तक पहुंचते हैं और समान रूप से अलंकृत ब्लाउज, उनके सिर पर **दीपक** लेकर **आकर्षक** संचलन किया जाता हैं।
- **प्यार** का **जश्न** मनाने वाले **लोक गीत 'रसिया'** की **धुन** पर **प्रदर्शित** किया जाता है।
- प्रदर्शन एक संगीतमय **अर्धचंद्राकार पैटर्न** में समाप्त होता है जहां **गायक** और **संगीतकार** शामिल होते हैं।

स्वांग

- **गीत** और **संवाद** के साथ **उपयुक्त नाट्य** और मिमिक्री शामिल है।
- **गति-उन्मुख** के बजाय **संवाद-उन्मुख।**
- **धार्मिक कहानियों** और **लोक कथाओं** को दस या बारह व्यक्तियों के समूह द्वारा एक खुले क्षेत्र या दर्शकों से घिरे एक **ओपन-एयर थिएटर** में प्रदर्शित किया जाता है।
- विषय-वस्तु - **नैतिकता**, **लोक कथाएँ**, प्रेरक व्यक्तित्वों का जीवन, **भारतीय पौराणिक कथाओं** की कहानियाँ और हाल के दिनों में, **स्वास्थ्य** और **स्वच्छता**, **साक्षरता** आदि जैसे अधिक वर्तमान विषय।
- स्वांग की 2 महत्वपूर्ण शैलियाँ **रोहतक** और **हाथरस** की हैं।
    - **रोहतक** की शैली में प्रयुक्त भाषा **हरियाणवी** (बंगरू) है और **हाथरस** में **ब्रजभाषा** है।
- **पूरन नाथ जोगी**, **गोपी नाथ** और **वीर हकीकत राय** के स्वांग यूपी में बहुत लोकप्रिय हैं।
    - पूरन नाथ जोगी और गोपी नाथ के स्वांगों में वैराग्य घटना का जीवन और हकीकत राय के स्वांग में धर्म के प्रति प्रेम को उसके **कलात्मक कौशल** में प्रस्तुत किया जाता है।

नौटंकी

- **बिहार** और **उत्तर** प्रदेश में लोकप्रिय **नुक्कड़ नाटक** या नाटक का एक रूप।
- लोकगीतों और नृत्यों के साथ **लोकगीत** और **पौराणिक नाटकों** का मिश्रण होता है।
- 2 प्रमुख केंद्र - **हाथरस** और **कानपुर।**
- प्रदर्शन आधी रात के आसपास शुरू होता है और अगले दिन की शुरुआत तक चलता है।

नक़ाल

- एक नेता - **खलीफा** पर **लक्षित मजाक।**
- **जोकर** अपनी चालों और चुटकुलों के माध्यम से एक्शन के साथ-साथ गति का भी चयन करता है।
- नाटक के दौरान जोकर **दर्शकों** का **मजाक** भी उड़ाता है।
- जीवन के **घिनौने पक्ष** को सुर्खियों में लाता है।
- **नकाल**, **मिरासी** और **भांड** द्वारा प्रस्तुत किया गया।
- तीव्र वार्तालाप पर बहुत अधिक निर्भर करता है।

- यूपी नकाल समूह में **गायक**, **नर्तक**, **संगीतकार** और **जोकर** शामिल हैं।
    - नेता - **उस्ताद।**
- **भांड हास्य चरित्र** निभाते हैं - किसी विशेष अवसर से संबंधित चुटकुले लिखने और प्रदर्शन करने में कुशल।
- **अर्ध-ऐतिहासिक कथाएँ** - दुल्ला भट्टी, किमा मल्की, होदी, कोकलां और सोहनी महिवाल प्रस्तुत किए जाते है।

रासलीला

- उर्फ **ब्रज रासलीला।**
- उत्तर प्रदेश के **आगरा क्षेत्र** में **ब्रज** क्षेत्र से उत्पन्न।
- भारत के कई **राज्यों** में प्रदर्शन किया जाने वाला एक **नाट्य रूप।**
- आम तौर पर **रसिया** पर प्रदर्शन किया जाता है - **कृष्ण-राधा प्रेम** के विषय पर पूरी तरह से आधारित **गीत** का एक रूप।
- "**दर्शन**" अर्थात **ध्वनि** के माध्यम से देखने पर जोर।
    - केवल वृद्धि के लिए दृश्य भावना।
- **अंतिम घटक - 'भाव'** - संगीत और गीतों के माध्यम से व्यक्त की गई एक **विशिष्ट मनोदशा** या **भावना।**
- दोस्ती, **माता-पिता** का **प्यार**, **विस्मय**, **हास्य**, **वैवाहिक प्रेम**, **भय**, **शिष्टता**, **करुणा** और **रोष** जैसे विविध **नाटकीय** प्रकार दिखाता है।

रामलीला

- **उत्तर प्रदेश** की प्रतिष्ठित **लोक संस्कृति** की एक **पारंपरिक कला।**
- यह मुख्य रूप से **रामायण** में **भगवान राम** के जीवन से संबंधित है।
- उत्तर प्रदेश में रामलीला के **4 अलग-अलग स्कूल।**
    - **पहली** - झाँकी की प्रधानता के साथ **पैंटोमिमिक शैली** - झांकी तमाशा।
    - **दूसरा-** बहु-स्थानीय मंचन के साथ **संवाद-आधारित शैली।**
    - **तीसरी** और चौथी - **ऑपरेटिव शैली** - अपने संगीत तत्वों को क्षेत्र के लोक ओपेरा और मंच पर प्रदर्शित करते हैं।
- **पेशेवर समूह** की रामलीला को "**मंडली**" कहा जाता है।
- **प्रसिद्ध रामलीलाएँ**- वाराणसी, राम नगर और चित्रकूट।

कथक

- भारत के छह प्रमुख **शास्त्रीय नृत्य** रूपों में से एक और उत्तर प्रदेश **संगीत** और **नृत्य परंपराओं** का एक प्रमुख हिस्सा।
- दुनिया में सबसे **करामाती नाट्य रूपों** में से एक।
- इसकी परंपरा और नाम पुराने दिनों के **'कथक'** के **कथाकार** से प्राप्त होता है।
- **भक्ति पंथ** के उदय और **मुगल राजाओं** के दरबार में **फारसी कलाकारों** के प्रभाव ने इस कला को उसका वर्तमान विशिष्ट रूप दिया।
- यूपी के **प्रमुख कथक** घराने:
    - **लखनऊ घराना**
        - **सबसे लोकप्रिय** घराना।
        - कहानी को चित्रित करने के लिए **नर्तकियों** ने **कलाई** और **हाथों** की **सुंदर हरकतों** का उपयोग किया है।
        - **संस्थापक - पंडित ईश्वरी प्रसाद** लखनऊ घराने के संस्थापक हैं।
        - सबसे उल्लेखनीय और **प्रसिद्ध नर्तक - पंडित बिरजू महाराज।**
    - **बनारस घराना**
        - पवित्र **गंगा नदी** के तट पर विकसित।
        - प्रसिद्ध **नृत्यांगना जानकीप्रसाद।**
        - मंच की व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करता है और स्वतंत्र रूप से चक्करों के अधिक उदार रूप का उपयोग करता है।

दिवारी पाई डंडा

- **बुंदेलखंड** क्षेत्र का एक **लोक नृत्य** है।
- भगवान **कृष्ण** के **बचपन** की **अठखेलियो** और **क्रीडा** के इर्द-गिर्द थीम।
- उन नकली झगड़ों को प्रदर्शित करता है जो प्रभु के उन ग्वाले लड़कों के साथ होते थे जिनके साथ उन्होंने अपने प्रारंभिक वर्ष बिताए थे।
- दिवाली के दौरान **अहीर** (दूधवाले) **समुदाय** द्वारा विशेष रूप से प्रदर्शन किया जाता है।
- **हमीरपुर**, **महोबा** और **बांदा** में लोकप्रिय।
- **दिवाली नृत्य** या **स्टिक डांस** के नाम से भी जाना जाता है।
- **पुरुषों** द्वारा **प्रदर्शन** किया जाता है, जो हाथों में लंबी छड़ें पकड़े हुए मंडलियों में घूमते हैं और नृत्य को लय और तेज गति प्रदान करने के लिए अपने पैरों और कमर पर घुंघरू बांधते हैं।

नटवारी

- उर्फ **कृष्ण** का **नृत्य।**
- **कथक** से जुडा हुआ है।
- **उत्तर प्रदेश** के **पूर्वी छोर** में प्रसिद्ध है।
- 1960 के दशक में कथक **नृत्यांगना उमा शर्मा** द्वारा **पुनर्जीवित।**

छपेलि

- **पुरुष** और **स्त्री** द्वारा **नृत्य** और **गीत** के साथ प्रस्तुत किया जाता है।
- क्षेत्र के **लोगों** की **परंपरा** और **रीति-रिवाजों** को चित्रित करता है।
- यह अनिवार्य नहीं है कि नृत्य रूपों में भाग लेने वाले जोड़े वास्तव में प्रेमी होते हैं, हालांकि युगल के डांस की अवधारणा दो लोगों के बीच संबंध को बढ़ाने के लिए शुरू की गई थी।

अन्य लोक नृत्य

दिवाली नृत्य	• बुंदेलखंडी अहीरों द्वारा दीवाली के अवसर पर उनके सिर पर दीप जलाकर प्रदर्शन किया जाता है।
कार्तिक गीत नृत्य	• राज्य के बुंदेलखंड क्षेत्र में प्रचलित है।
ख्याल	• उत्तर प्रदेश का एक और लोक नृत्य एक साथ कई अन्य भारतीय राज्यों में लोकप्रिय है। • उत्तर प्रदेश में एक प्रमुख लोक नृत्य के रूप में शुरू हुआ। • ख्याल की विभिन्न शैलियाँ, प्रत्येक को एक शहर, अभिनय शैली, समुदाय या लेखक के नाम से जाना जाता है।
जोगिनी	• रामनवमी के अवसर पर अवध क्षेत्र के पुरुष नर्तकों द्वारा सामूहिक रूप से प्रस्तुत किया जाता है।
राय नृत्य	• यह नृत्य बुंदेलखंड की महिलाओं द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर किया जाता है। • यह मोर की तरह किया जाता है। • इसलिए इसे मयूर नृत्य भी कहा जाता है।
दादर	• मनोगत और यौन सुख के इर्द-गिर्द घूमता है। • मंच पर प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को गायक पार्श्वगायन देते हैं

	• गायकों के साथ लिप-सिंक।
धोबिया राग	• धोबी जाति द्वारा किया गया नृत्य।
शायरा	• बुंदेलखंड के किसानों द्वारा कटाई के समय किया जाने वाला नृत्य।
कर्म नृत्य	• यह मिर्जापुर और सोनभद्र जिलों में कोल जनजातियों के पुरुषों और महिलाओं द्वारा संयुक्त रूप से किया जाने वाला नृत्य है।

उत्तर प्रदेश का लोक संगीत

कजरी

- **अर्ध-शास्त्रीय** गायन की एक शैली।
- एक **मौसम** आधारित संगीत।
- **शास्त्रीय** और **अर्ध-शास्त्रीय** संगीतकारों द्वारा अक्सर गाया जाता है।
- मिर्जापुर को **कजरी** का **असली घर** माना जाता है।
- जैसा कि मिर्जापुर में कहा जाता है, **'कजली'** नाम की एक महिला थी जिसका पति दूर देश में था।
    - मानसून आ गया और अलगाव असहनीय हो गया, वह देवी के चरणों में रोने लगी और इस रोने ने बाद में कजरी का रूप ले लिया।
- संभवतः **काजल** का व्युत्पन्न जिसका **हिंदी** में अर्थ **कोहल** या **काला** होता है।
- कजरी गायन के **2 रूप**:
    - **पहला** - एक प्रदर्शन मंच पर गाया जाता है जिसमे महिलाएं अर्ध-चक्र में नृत्य करते हुए मानसून की शाम को गाती हैं।
    - **दूसरा** - 'धुनमुनिया कजरी'
- प्रमुख प्रतिपादक - पंडित छनूलाल मिश्रा, शोभा गुरुतु, गिरिजा देवी, राजन और साजन मिश्रा अन्य।

बिरहा

- शैली - **मनोदशा आधारित।**
- मूल विषय - **प्रेमी** और उसके **प्रिय** का **अलगाव।** दरअसल हिंदी में **'बिरहा'** का मतलब अलगाव होता है।
- उत्पत्ति - ऐसी घटनाएँ जहाँ ज्यादातर छोटे गाँवों के पुरुष आजीविका की तलाश में शहरों की ओर पलायन करते थे।
    - अक्सर उन्हें अपने नवविवाहित जोड़े को गांव में ही छोड़ना पड़ता था।
    - गाँव की महिलाओं के बीच **अलगाव** और कामुक इच्छा के **विलाप** के कारण **बिरहा** का जन्म हुआ।
- पूर्वी यूपी के **किसानों** और **मजदूरों** के बीच **बेहद लोकप्रिय।**

रसिया

- **रसिया** उत्तर भारत के **ब्रज क्षेत्र** के **लोकगीतों** की एक शैली है।
- रसिया गीत क्षेत्रीय **हिंदी बोलियों** की विभिन्न शैलियों में गाए जाते हैं, जिसमें **महिलाओं** के **सरल गीतों** से लेकर पुरुषों के अर्ध-पेशेवर अखाड़ों (क्लबों) द्वारा सामूहिक प्रदर्शन शामिल हैं।
- **इस्कॉन** जैसे **संगठनों** के कारण धीरे-धीरे पूरी दुनिया में **लोकप्रियता** हासिल की।
- उत्पत्ति **ब्रज क्षेत्र** तक ही सीमित है।
- इसमें **मथुरा**, **नंदगांव**, **बरसाने**, **वृंदावन** और **गोवर्धन** जैसे शहर शामिल हैं।
- ज्यादातर **होली** पर गाया जाता है।
- विषय-वस्तु - **कृष्ण** का अपनी **पत्नी राधा** और उनके गाँव की अन्य **गोपियों** के साथ **वैवाहिक प्रेम।**

चैती

- **चैत** (मार्च/अप्रैल) के महीने में **गाया** जाता है।
- **ऋतु विशेष गीत।**
- फसल का मौसम में **पूर्वी यूपी** और **बिहार** में प्रसिद्ध है।
- कई चैती गीतों में **होली** के संदर्भ हैं।
- **लोक** गी**तों** और **विषयों** से व्युत्पन्न एक संगीत रूप ज्यादातर **होली** और **रामनवमी** के इर्द-गिर्द घूमता है।
- रूमानियत की आभा और प्रेम की मनोदशा को उद्घाटित करता है।
- **सबसे आम विषय** - **होली** और उस दृश्य का चित्रण जहां एक लड़की अपने पति से एक नई दुल्हन की पोशाक मांगती है।
- **प्रसिद्ध संरक्षक - गिरिजा** देवी, **शोभा** गुटरू और **पंडित छनूलाल मिश्रा।**
- **हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत** के हल्के शास्त्रीय रूप के अंतर्गत आता है।

आल्हा

- **बुंदेलखंड** क्षेत्र में **प्रसिद्ध** है।
- एक वीर कहानी कहने की **लयबद्ध शैली।**
- दो भाइयों, **आल्हा** और **उदल** की वीरता की कहानी प्रस्तुत की जाती है।

ठुमरी

- हिंदी शब्द **'ठुमकना'** से उत्पन्न हुआ है।
- थीम - रोमांटिक और भक्ति - भगवान कृष्ण के लिए एक लड़की के प्यार के इर्द-गिर्द घूमती है।
- **कामुकता** की सामग्री मुख्य **भावनात्मक** आधार है।
- इसका अपना **मुहावरा**, **विद्वतापूर्ण** परंपरा, **सौंदर्यशास्त्र** और तौर-तरीके हैं।
- **टप्पा** और **ख्याल** जैसे अपने अन्य समरूपो की तुलना में रागों के साथ **अधिक लचीलापन।**
- **मुख्य रूप से प्रयुक्त राग** - पीलू, कफी, खमाज, तिलक कामोद और भैरवी।
- **8** बीट्स का **'कहेरवा'**, 16 बीट्स की अर्ध-ताल, 14 बीट्स की **'दीपचंडी'** या 16 बीट्स की **'जात'** पर आधारित अधिकांश रचनाएँ।
- **सबसे बड़ा संरक्षक** - अवध के नवाब, नवाब वाजिद अली शाह।
- **प्रसिद्ध प्रतिपादक -** रसूलन बाई, सिद्धेश्वरी देवी, गिरिजा देवी, गौहर जान, बेगम अख्तर, शोभा गुरतू और नूरजहाँ।

4 CHAPTER उत्तर प्रदेश की भाषा और साहित्य

उत्तर प्रदेश की भाषा

हिन्दी

- **प्राकृत** और **अपभ्रंश** के माध्यम से **संस्कृत भाषा** के प्रत्यक्ष वंशज।
- **द्रविड़ भाषा**, तुर्कि, फारसी, अरबी, पुर्तगाली और अंग्रेजी से प्रभावित।
- अक्टूबर 1947 में **हिंदी** को **राज्य भाषा** घोषित किया गया।
- **बोलियाँ** - ब्रज, अवधी, खडीबोली आदि।

उर्दू

- **प्रमुख विशेषज्ञ** - फिराक गोरखपुरी, जोश मलिहाबादी, अकबर इलाहाबादी, मजाज़ लखनवी, कैफ़ी आज़मी, अली सरदार जाफ़री, शकील बदायुनी, निदा फ़ाज़िली और गालिब।
- 1988 में उर्दू को **दूसरी राज्य भाषा** घोषित किया गया था।

उत्तर प्रदेश में बोली जाने वाली बोलियाँ

अवधी

- **उत्तर भारत** की एक **प्रमुख बोली।**
- अवध क्षेत्र में एक **इंडो-आर्यन भाषा** बोली जाती है।
- **लखनऊ**, **इलाहाबाद**, फतेहपुर, मिर्जापुर, उन्नाव, **रायबरेली,** सीतापुर, खीरी, फैजाबाद, **गोंडा**, बस्ती, बहराइच में बोली जाती है।
- आमतौर पर **देवनागरी वर्णमाला** के साथ, या **कैथी वर्णमाला** के साथ, या दोनों के मिश्रण के साथ लिखा जाता है
- यह पहली बार 12 वीं शताब्दी के दौरान **दामोदर पंडित** की रचनाओं में लिखित रूप में सामने आई

ब्रज भाषा

- इसे **ब्रज भाषा ब्रज भाखा** या ब्राय एहसास भाषा भी कहा जाता है, जो **शौरसेनी प्राकृत** से निकली है और आमतौर पर इसे हिंदी की पश्चिमी बोली के रूप में देखा जाता है।
- मुख्यतः भारत में लगभग **575000 लोगों** द्वारा बोली जाने वाली।
- **मथुरा**, **आगरा**, **एटा** और **अलीगढ़** में शुद्धतम रूप में बोली जाने वाली
- अधिकांश **वक्ता हिंदू देवता, कृष्ण** की पूजा करते हैं।
- **जन्माष्टमी उत्सव** के दौरान किए गए **कृष्ण** के **जीवन** के लगभग सभी **प्रसंगों** को **ब्रज भाषा** में प्रस्तुत किया गया है।

बघेली

- बुंदेलखंड क्षेत्र में बोली जाने वाली एक **इंडो-आर्यन भाषा**।

बुन्देली

- बुंदेलखंड क्षेत्र में बोली जाने वाली **एक इंडो-आर्यन भाषा**।
- **मध्य इंडो-आर्यन भाषाओं** से संबंधित है और **पश्चिमी हिंदी** उपसमूह का हिस्सा है।
- **सौरसेनी अपभ्रंश** भाषा की वंशज।
- **जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन** द्वारा अपने भारतीय भाषा सर्वेक्षण में **पश्चिमी हिंदी** के अंतर्गत वर्गीकृत।
- **ब्रज भाषा से निकटता से संबंधित -** उन्नीसवीं शताब्दी तक मध्य भारत में **अग्रणी साहित्यिक भाषा।**
- एक भाषा के बजाय एक **बोली** के रूप में जानी जाती है।

कन्नौजी

- **बोलियाँ -** तिर्हारी और माध्यमिक कन्नौजी (मानक कनौजी और अवधी के बीच)।
- हरदोई, लखीमपुर-खीरी, सीतापुर, शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद में बोली जाती है।

खड़ीबोली या कौरवी

- सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर, रामपुर और मुरादाबाद जिलों में बोली जाती है।
- उर्फ **कौरवी या देल्हावी**।
- एक **भाषा विविधता** जो **हिंदुस्तानी** की प्रतिष्ठित बोली के रूप में विकसित हुई, जिसमें **मानक हिंदी** और **मानक उर्दू**, मानक रजिस्टर और साहित्यिक शैली हैं, जो क्रमशः **भारत** और **पाकिस्तान** की प्रमुख आधिकारिक भाषाएं हैं।
- **इंडो**-**आर्यन भाषाओं** के मध्य क्षेत्र (हिंदी क्षेत्र) के **पश्चिमी समूह** का एक हिस्सा।

भोजपुरी

- एक **इंडो-आर्यन भाषा**।
- **पूर्वी क्षेत्र** में बोली जाती है - भदोही, कुशीनगर, गोरखपुर, वाराणसी, गाजीपुर, बलिया, जौनपुर, आजमगढ़, चंदौली और देवरिया जिले।
- हिंदी की एक बोली और **अन्य बिहारी भाषाओं** जैसे **मैथिली** और **मगही** का हिस्सा।